जिंदगी

मेज पर पड़ी
रफ कापी सी जिंदगी
कभी कुछ लिख लिया
कभी कुछ काट दिया
आड़ी तिरछी
रेखाएं सी जिंदगी
कभी पृष्ठ पलट दिए
कभी फाड़ लिए
बदरंग सी जिंदगी।
ढ़ेरों अनर्गल बातों सी जिंदगी
ख़ामोश आंसू सी जिंदगी
स्वंय को ढूंढ़ती जिंदगी
रफ कापी सी जिंदगी
एकाकी भटकती जिंदगी
भूली बिसरी बातों सी जिंदगी
मेज पर पड़ी धूल सी जिंदगी
रफ कापी सी जिंदगी

सुधा गोयल